लाभ के लिए किसी योजना के लागू करने पर विचार कर रही है ताकि उन्हें आत्म-निर्भर बनाया जा सके और मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सके, और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुलापल्ली रामचन्द्रन) : (क) जी, हां।

(ख) उपलब्ध अनन्तिम आंकड़ों के अनुसार 1990-91 के दौरान देश में कुल मत्स्य उत्पादन 38.36 लाख मीटरी टन हुआ और तदनुरूपी अवधि के दौरान निर्यात किया गया समुद्री उत्पाद 1.38 लाख मीटरी टन था

(ग) और (घ) समुद्री मछुआरों के लाभ के लिए सरकार द्वारा फिलहाल क्रियान्वयनाधीन तथा 1991-92 वर्ष के लिए क्रियान्वित किए जाने के लिए प्रस्तावित महत्वपूर्ण उत्पादनोन्मुखी योजनाएं निम्न प्रकार हैं :—

(1) परम्परागत नौकाओं का मोटरीकरण।

(2) मत्स्य ग्रहण जलयान, जिनकी लम्बाई 20 मीटर से कम हो, द्वारा प्रयुक्त उच्च गति डिजिल तेल पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की प्रतिपूर्ति।

(3) नान ट्रालर प्रकार की एफ. आर.पी. मत्स्य ग्रहण नौकाओं, जिनकी लम्बाई 12-15 मीटर हो, को चलाकर अपतटीय पेलैजिक मात्स्यिकी संसाधनों का उपयोग करना।

(4) डोंगा तथा कैटामारान के बदले में प्लाईवूड मत्स्य ग्रहण नौकाओं को चलाना।

(5) जलीय प्रदेश में समुद्री मत्स्यग्रहण विनियमन अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए पैट्रोल चालित नौका प्राप्त करने के लिए समुद्रवर्ती राज्य सरकारों का वित्तपोषण करना।

इस्पात और लोहे के मूल्यों में वृद्धि

492. श्री राम जेठमलानी
डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रुपये का हाल ही में किए गए अवमूल्यन के परिणामस्वरूप देश में इस्पात और लोहे के मूल्यों में भारी वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह मूल्य-वृद्धि 400 रुपये से 500 रुपये प्रति टन तक हुई है ;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने इस मूल्य-वृद्धि को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं; और

(घ) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और ये कदम मूल्य-वृद्धि को रोकने में कहां तक प्रभावी रहे हैं ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) से (घ) मुख्य उत्पादकों द्वारा उत्पादित और संयुक्त संयंत्र समिति द्वारा प्रशासित लोहे और इस्पात के मूल्यों में अभी हाल में कोई वृद्धि नहीं की गई। कुछ क्षेत्रों में लोहे और इस्पात की कुछ मदों के खुले बाजार मूल्यों में कुछ वृद्धि हुई है परन्तु यह पूर्णतया अवमूल्यन के कारण ही नहीं कहा जा सकता।

देश में इस्पात का उत्पादन

493. श्री राम जेठमलानी
सरदार बूटा सिंह अरोड़ा :

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 6 अप्रैल 1991 के फाइनेंशियल एक्सप्रैस में "आउटपुट टू बी 5 लाख टन्स शार्ट आफ टारगेट" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;